

1. मङ्गलवृषभौ गृहोत्पन्नौ PĀṆĀT. 8, 15. उद्पादि सस्यम् P. 3, 1, 60, Sch. क्रीतित्पन्न (अन्न) so v. a. fertig ÄCV. GṚH, 4, 4. उत्पन्न उन्ना zur Erkl. von ज्ञातित् ein junger (vor Kurzem zur Welt gekommener) Stier AK. 2, 9, 61. उत्पन्ने मेतौ wenn der Damm entstanden ist, fertig dasteht JĀG. 2, 157. तदुत्पन्ने धने entstanden 64. (गुणाः) अकारणगुणोत्पन्नाः BHĀṢĀP. 93. दिनु प्रकाशस्तदुत्पद्यत KATHĪS. 35, 121. व्यापडुत्पद्यत मण्डले RĀGA-TAR. 4, 523. उत्पन्नामापदम् Spr. 436. उत्पद्यते च्यवत्ते च यान्यतो ऽन्यानि कानिचित् (शस्त्राणि) M. 12, 96. R. 1, 5, 3. संसारोत्पन्नं चरितम् BHART. 3, 3. अन्न एव मम ज्ञानमुत्पन्नमस्ति ÇUK. in LA. 41, 16. SĀMĀHJAK. 64. तस्य चित्तयतो बुद्धिरुत्पन्नेयम् (vgl. am Ende) R. 1, 8, 2, 7, 3, 17. MBh. 5, 959. वाञ्छा Vid. 110. तपःप्रभावोत्पन्नादिव्यचलुम् DAÇAK. in BENF. Chr. 179, 7. यस्मादपवपि भूतानां दिज्ञानोत्पद्यते भयम् M. 6, 40. PRAB. 7, 12. देवेरितो नूनमयं पुरस्तात्परौ नयो भरतेषूद्पादि MBh. 2, 2395. किमर्थमनयं धारमुत्पद्यन्मुपेतसे 3, 361. युद्धमुत्पत्त्यते मरुत् 379. लङ्कादाह् ज्ञोत्पन्नः VET. in LA. 5, 3. परस्परं प्रीतिरुत्पन्ना 24, 9. BHĀG. P. 1, 7, 7. RĀGA-TAR. 5, 313. उत्पन्नप्रत्यय Vid. 134. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 148. क्लृप्तः पुनरुत्पद्यमानः SĀH. D. 73, 3. 76, 9. उत्पन्नावसरं entstanden so v. a. sich dargeboten habend MĀLAV. 40, 4. उत्पन्नेषु कार्येषु Spr. 437. नाकृत्वा पाणिना किंसां मांसमुत्पद्यते क्वचित् Fleisch entsteht so v. a. Fleisch wird erhalten, man kommt zu Fleisch M. 3, 48. प्रत्यया नैवोत्पद्यन्ते so v. a. es tritt kein Suffix an Schol. zu P. 1, 2, 54. धातोः परः प्रत्ययसंज्ञक उत्पद्यते Schol. zu P. 3, 1, 2. प्रत्ययात्तरं नोत्पद्यते Schol. zu P. 4, 1, 93. 5, 4, 159. उत्पन्नं auf die Gegenwart gerichtet (vgl. u. प्रत्युद्): सर्वत्र बुद्धिः कथिता श्रेष्ठा ते भरतर्षभ । अनागता तथोत्पन्नादीर्घसूत्रा (in der Calc. Ausg. दीर्घसूत्रा vom vorherg. getrennt) विनाशिनी ॥ MBh. 12, 4913. — caus. hervorbringen, herstellen, schaffen. erzeugen, verursachen ÇĀṆK. Çr. 3, 19, 18. 20, 8. GṚH. 5, 3. सर्वं हि कारणं कार्यमुत्पादयत् ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 29. (अस्त्रम्) तपसोत्पादितं तेन HARIV. 7314. शिंशपाखदिरयोः सारमाद्योत्पाद्याद्य चोत्तमारणी सुÇR. 2, 73, 15. पार्थिवोचितानि वस्त्राणि सैवोत्पादयति (ein Weber) PĀṆĀT. 132, 24. अमुनोत्पादिते गृहे BHĀG. P. 4, 20, 6. उदकोत्पादितवर्द्धम् PĀṆĀT. ed. ORN. 4, 12. अग्निं anlegen, anzünden MBh. 13, 5091. शिन्ताम् so v. a. verfassen HARIV. 1049. सुÇR. 2, 161, 8. अस्मै गौरभवदुत्पाद्य so v. a. durch sich selbst ÇĀṆK. zu BṚH. Ār. Up. S. 141. (प्रजापतिः) मियुनमुत्पादयते PRAÇNOP. 1, 4. सतिते मनवः — सर्वमिदमुत्पाद्यापुः M. 1, 63. सुÇR. 4, 1, 16. कामान्माता पिता चैनं यदुत्पादयतो मिथः erzeugen M. 2, 147. 6, 36. 37. 9, 60. पवीयान् ज्येष्ठभार्यायो पुत्रमुत्पादयेद्यदि 120. 144. 146. 166. 173. 10, 6. JĀG. 2, 127. MBh. 1, 6138. उत्पादय सकृन्मक्षमपत्यम् 3, 8634. 13, 3429 (med.). 14, 833. RAÇH. 18, 1. BHĀG. P. 1, 16, 2. MĀRK. P. 13, 16. gebären M. 9, 175. क्रीत्वा स्वयं वाप्युत्पाद्य परिपकृतमेव वा — मांसम् selbst erzeugen, ziehen, gewinnen M. 5, 32. तिलान् 10, 90. MBh. 13, 1673. स्वाकारम् sich seine Speise herbeischaffen HIT. 30, 3. उत्पाद्य ब्राह्मणास्यासृक् Blut vergossen M. 4, 167. 11, 208. आचार्यस्त्वस्य यो ज्ञातिम् — उत्पादयति सावित्र्या 2, 148. नोत्पादयेत्स्वयं कार्यम् einen Rechts-handel anstiften 8, 43. स तस्योत्पादयेत्तृष्टिम् 288. R. 1, 19, 25. 2, 96, 37. दुःखमुत्पादयेद्यः JĀG. 2, 222. तीत्रमुत्पादितं दुःखम् R. 2, 78, 11. चित्तामुत्पादयति मे 3, 32, 37. दोषम् Schaden stiften MEGH. 70. KATHĪS. 14, 36. 32, 97. समतां वसुधायाः MBh. 12, 2235. वैफल्यम् 13, 285. विघ्नम् 1682. ÇĀK. 28, 14. त्रासान् HARIV. 1209. सुÇR. 4, 135, 3. 6. HIT. 17, 17. 18, 16.

DAÇAK. in BENF. Chr. 184, 15. 16. AMAR. 29. P. 1, 3, 69, Sch. किंचिदुत्पाद्य कारणम् eine Ursache schaffen so v. a. eine Veranlassung suchen HARIV. 3304. स च दरिद्रपुरुषस्तस्य गृह्यतेरत्तिके पितृसंज्ञामुत्पादयेत् gebrauche das Wort Vater, nenne ihn Vater SĀDDH. P. 4, 22, a. — Vgl. उत्पत्ति, उत्पाद fgg., उत्पादिन्, गूढोत्पन्न.

— उपोद् sich aufmachen gegen: स आयतयोत्तरत् उपोत्पेदे ÇAT. Bh. 1, 7, 3, 3.

— प्रोद्, partic. प्रोत्पन्नं entstanden: धर्मं पारमर्हस्ये च प्रोत्पन्नमतयः BHĀG. P. 6, 5, 4.

— प्रत्युद्, partic. प्रत्युत्पन्नं 1) im gegebenen Augenblick da seiend. gegenwärtig: अतीतानागतं क्त्वा प्रत्युत्पन्नेन वर्तय MBh. 12, 8278. अवाप्यान्कामयन्धीज्ञानवाप्यान्कदा च न । प्रत्युत्पन्नानुभवन्मा शुचस्त्वमनागतान् ॥ 3875. यस्य बुद्धिः परिभवेत्तमतीतं सान्वयेत् । अनागतेन दुर्बुद्धिं प्रत्युत्पन्नेन पण्डितम् ॥ 1, 3614 (hiernach 12, 5262 zu verbessern). ०मति Geistesgegenwart habend H. 344. HALĪJ. 2, 221. MBh. 12, 4889 (PĀṆĀT. 1, 361). सुÇR. 4, 123, 17. ÇĀK. 67, 23. प्रत्युत्पन्नमतिल (auch प्रत्युत्पन्नमतिल) n. Geistesgegenwart ebend. v. l. — 2) durch Multiplication gewonnen HAUGHT. nach COLEBR. Alg. 5, wo aber प्रत्युत्पन्न, wie es scheint, ungenau गुणान् Multiplication gleichgesetzt wird: vgl. प्रत्युत्पन्नज्ञाति ebend. 14.

— व्युद् 1) entstehen; in der Gramm. so v. a. aus einer Wurzel. aus einem andern Worte hervorgehen, seine Etymologie haben: नाम ऋडमपि च व्युद्पादि erhielt seine Etymologie ÇIC. 10, 23. उणादयो ऽव्युत्पन्नानि प्रातिपदिकानि haben keine Etymologie, sind primitive Wörter PAT. zu P. 7, 2, 8. — 2) व्युत्पन्नं gelehrt, unterrichtet, erfahren H. 345. HALĪJ. 2, 197. ÇANDAK. im ÇKDR. ०प्राठवनिता BHART. Suppl. 18. अव्युत्पन्नलोका BHĀG. P. 5, 13, 26. योगेश्वरचर्यायामतिव्युत्पन्नमतिः 10, 9. — Vgl. व्युत्पत्ति. — caus. 1) hervorbringen, verursachen: भयम् BHĀG. P. 3 13, 33. — 2) in der Gramm. ableiten, auf ein Etymon zurückführen KAUJ. bei GOLD. MĀN. 176, a. ÇĀṆK. bei WINDISCHMANN. Sancara 93. KULL. zu M. 1, 21. SĀH. D. 11, 18.

— समुद् entstehen, geboren werden, sich ereignen: व्यञ्जनीस्तु समुत्पन्नैः die pubes PĀṆĀT. III, 214. नव विदिशो केतवः समुत्पन्नाः VARĪH. BṚH. S. 11, 28. सर्वं शरत्समुत्पन्नम् 13, 15. मध्ये ब्राणः समुत्पन्नः 48, 7. (नरः) समुत्पद्यति MBh. 3, 13869. घृताद्यो तस्य पुत्रस्तु रुर्नान्नोदपद्यन् 13, 2004. अनार्यायो समुत्पन्नो ब्राह्मणात् M. 10, 66. KATHĪS. 9, 28. Vid. 191. PRAB. 11, 3. समुत्पत्स्यति (act. ohne dass das Metrum es erforderte) MĀRK. P. 23, 68. 70. कुर्ये तस्य — व्याधिः समुदपद्यत KATHĪS. 17, 37. आयदः समुत्पन्नाः M. 7, 214. ग्रामे दोषाः 116. PĀṆĀT. 71, 1. विवाद M. 8, 245. स्पृहा MBh. 3, 45278. विस्मयः 2472. बुद्धिः R. 1, 57, 11. 63, 11. क्लृप्ताशब्दे महान्समुदपद्यत 2, 81, 14. Z. d. d. m. G. 14, 375. 18. चित्ता PĀṆĀT. 6, 6. कालश्चायं समुत्पन्नः ist gekommen R. 2, 29, 11. ARG. 5, 7. कौतूहलसमुत्पन्नं so v. a. समुत्पन्नकौतूहल adj. R. 6, 84, 3. समुत्पन्नं so v. a. dargeboten MBh. 5, 7265. — Vgl. समुत्पत्ति. — caus. hervorbringen, erzeugen, hervorrufen, verursachen: स्वशरीरात्समुत्पाद्य (पुत्रम्) MĀRK. P. 17, 6. युद्धम् PĀṆĀT. I, 258. स्पृहाम् RĀGA-TAR. 5, 6. लोभम् 319. समुत्पादितवैरूप R. 5, 93, 33. Hierher gehören auch die Formen समुपादयत् und समुपादयेत् mit ausgeworfenem त (aus metrischen Rücksichten): कालवर्षो च परं-